उपासना जिसे परमेश्वर स्वीकार करता है (भाग 1)

बाइबल असल में क्या सिखाती है? के अध्याय 15 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।

क्या सभी धर्म परमेश्वर को मंज़ूर हैं?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

शायद कुछ लोग 'हाँ' कहें, पर क्यों?

_____

_____

शायद कुछ लोग 'न' कहें, पर क्यों?

_____

_____

आप क्या मानते हैं?

_____

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

_____

_____

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

हमें परमेश्वर की उपासना उसी तरह करनी चाहिए, जैसे वह चाहता है।
(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 15 के पैराग्राफ 1-4 देखें।)

मत्ती 7:21-23 पढ़िए।
यीशु के मुताबिक सिर्फ यह कहना क्यों काफी नहीं कि हम उस पर या उसके पिता पर विश्वास करते हैं?

मत्ती 7:13, 14 पढ़िए।
दुनिया में ज़्यादातर लोगों को सच्चे धर्म के बारे में नहीं पता। ऐसा क्यों है?

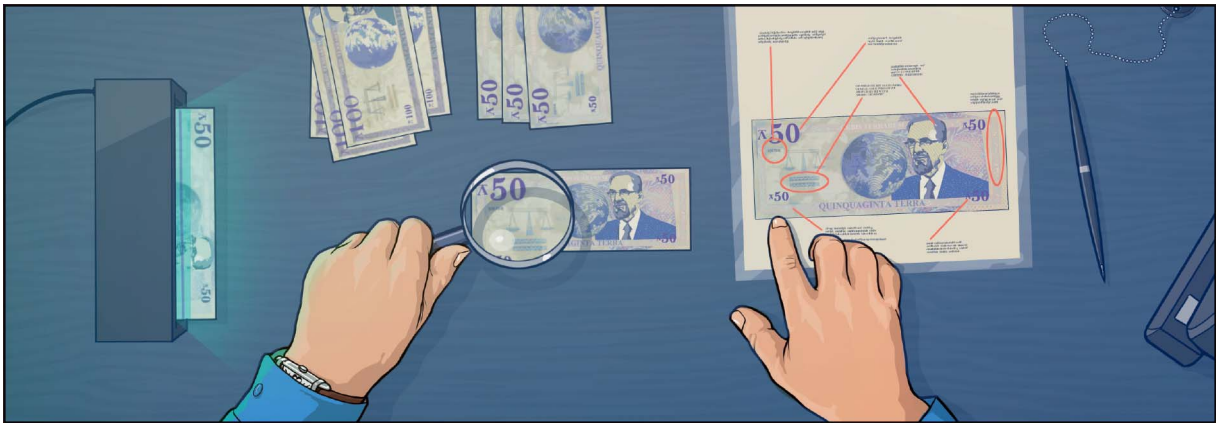

अगर हम यह जान लें कि असली नोट कैसे होते हैं, तो हम आसानी से समझ जाएँगे कि कौन-से नोट नकली हैं। उसी तरह अगर हम यह जान लें कि सच्चे धर्म को माननेवाले कौन-से काम करते हैं और क्या मानते हैं, तो हम समझ जाएँगे कि कौन-से धर्म झूठे हैं।

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

लोगों के विश्वास और कामों से पता चलता है कि वे सच्चे धर्म को मानते हैं या नहीं।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 15 के पैराग्राफ 5-14 देखें।)

भजन 83:18, मत्ती 20:28 और 2 तीमुथियुस 3:16, 17 पढ़िए।

सच्चे धर्म को माननेवाले परमेश्वर, यीशु और बाइबल के बारे में क्या मानते हैं?

मत्ती 24:14, मरकुस 12:17 और यूहन्ना 13:35 पढ़िए।

परमेश्वर के उपासक ऐसे कौन-से काम करते हैं, जिससे पता चलता है कि वे सच्चे धर्म को मानते हैं?

क्या बात ***आपको*** यकीन दिलाती है कि यहोवा के साक्षियों का धर्म ही सच्चा है?

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

सभी धर्म अच्छी बातें सिखाते हैं।

आप कह सकते हैं . . .

यह सच है कि सब धर्मों में कुछ-न-कुछ अच्छी बातें हैं। लेकिन मेरा मानना है कि सिर्फ एक ही ऐसा धर्म है, जो परमेश्वर को मंज़ूर है, क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

मेरे धर्म को माननेवाले दुनिया में बहुत-से लोग हैं। इतने सारे लोग तो गलत नहीं हो सकते।

आप कह सकते हैं . . .

बहुत-से लोग शायद यही कहेंगे। लेकिन मेरा मानना थोड़ा अलग है, क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania